नवभारत
भोपाल, मंगलवार 11 अगस्त 2026

घटिया निर्माण की खुली पोल, पलकमति का नाला ढहा

नपा ने 50 लाख की लागत से 6 माह पहले बनाया था, लोगों में आक्रोश

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 10 अगस्त. बेगमगंज नगर के एकमात्र भोपाल रोड स्थित शमशान घाट से लगकर निकला पलकमती नाले का नगरपालिका द्वारा करीब 50 लाख की लागत से निर्माण 6 माह पूर्व ही कराया था, लेकिन रविवार की वर्षा में नाले का निर्माण कई जगह से धराशायी हो गया.

जैसे ही आसपास के रहवासियों ने नाले के ढहने की खबर सुनी तो भीड़ लग गई और श्मशान घाट की देखरेख करने वाले भी पहुंच गए. सभी ने ठेकेदार की गलती बताते हुए पुनर्निर्माण की मांग की. बता दें, प्रति वर्ष पलकमती नाले का पानी दशहरा मैदान के आसपास एवं पीछे निवासरत लोगों के घरों में भर जाता है, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान होता था. तब रहवासियों की मांग पर नगरपालिका परिषद द्वारा उक्त नाले का निर्माण दशहरा मैदान के पीछे से लेकर श्मशान घाट से लगकर पीछे सरस्वती मंदिर तक कराया गया है. नाला

निर्माण हुए 6 माह हुए हैं और इस बार मौसम की केवल एक बार भी जोरदार वर्षा में नवनिर्मित नाले के स्तर की पोल खुल गई. नाले की बाउंड्रीवॉल कई जगह से टूट कर गिर गई है तो कई जगह से उसमें दरें भी पड़ गई हैं. रहवासियों का आरोप है कि निर्माण की पोल पहली ही बारिश में खुलने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता का पता चलता है उन्होंने मांग की है कि पुनर्निर्माण गुणवत्तापूर्ण कराया जाए ताकि भविष्य में फिर किसी प्रकार से बाउंड्री वॉल टूटने की नौबत ना आए. इस संबंध में मुख्य नगरपालिकाधिकारी राजेंद्र शर्मा का कहना है कि जांच करवा रहे हैं. संबंधित ठेकेदार से उसी के खर्चे से फिर से गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाएगा. किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा.

स्तूप रोड जलमग्न, अस्पताल परिसर में घुसा बारिश का पानी

नवभारत न्यूज

सांची, 10 अगस्त. लगातार हो रही भारी बारिश ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है. बारिश के पानी की निकासी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से नाला निर्माण कराया गया था. इसके बाद नगर परिषद प्रशासन ने भी करीब पौने तीन करोड़ रुपये की लागत से एक और नाले का निर्माण कराया. बावजूद इसके रविवार सोमवार रात को हुई बारिश के बाद स्तूप रोड सहित नगर के कई प्रमुख मार्ग जलमग्न हो गए. स्तूप रोड पर भरा बारिश का पानी अस्पताल परिसर तक पहुंच गया, वहीं बिजली केंद्र भी पानी की चपेट में आने से बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई. जलमग्न क्षेत्रों का नगर परिषद अध्यक्ष ने मौके पर पहुंच कर जायजा लिया तथा

कर्मचारियों को जलनिकासी व्यवस्था के लिए आवश्यक निर्देश दिये . इसी तरह रामलीला मैदान क्षेत्र तथा वार्ड क्रमांक 5 और 15 के मुख्य मार्ग भी बारिश के पानी से जलमग्न हो गए.

बारिश में घर का छप्पर गिरा: भारी बारिश के चलते वार्ड क्रमांक 15 निवासी अनीता पाल के घर का टीन का छप्पर भी नीचे जा गिरा. अनीता अपनी बेटी के साथ घर में रहती हैं. रात में तेज बारिश के दौरान अचानक टीन शेड गिरने से घर के अंदर पानी भर गया और घरेलू सामान खराब हो गया.

नर्मदा जल लेकर आए कांवड़िए, भगवान का किया जलाभिषेक

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 10 अगस्त. सावन के दूसरे सोमवार पर सिद्ध शिवालय धाम कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में कांवड़ यात्रा निकाली गई. नर्मदा घाट बोरास से पवित्र जल लेकर कांवड़िए भगवान शिव के जयकारों के साथ सिद्ध शिवालय धाम पहुंचे. यहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का नर्मदा जल से जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि एवं लोककल्याण की कामना की.

सिद्ध शिवालय धाम से करीब 12 वर्षों से लगातार कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है. यात्रा में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं. सोमवार को कांवड़ियों के नगर में प्रवेश करने पर जगह-जगह स्वागत किया गया. कांवड़ियों के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया. पूर्व कैबिनेट मंत्री भी कांवड़ियों के स्वागत के लिए पहुंचे. उन्होंने नगर में प्रवेश पर कांवड़ियों का स्वागत किया और सिद्ध शिवालय धाम पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया. उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से आशीर्वाद लिया और कांवड़ियों से मुलाकात की.

इस दौरान सिद्ध शिवालय धाम में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत ज्ञान गंगा कथा में भी पूर्व कैबिनेट मंत्री रामपाल सिंह राजपूत सम्मिलित हुए. उन्होंने कथा स्थल पर पूजा-अर्चना की और कथा व्यास से आशीर्वाद प्राप्त किया. कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष संदीप लोधी, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि पुष्पेंद्र ठाकुर, नगर मंडल अध्यक्ष अजय जाट, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी दुबे सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे.

जनसमस्या शिविर में शिकायत के बाद खूनी संघर्ष

खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों के 10 घायलों में से 6 सागर रेफर, 11 आरोपित गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 10 अगस्त. ग्राम पंचायत भुरेरू में जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान गांव की समस्या को लेकर एक परिवार के व्यक्ति द्वारा अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद शुरू हुआ विवाद शनिवार रात खूनी संघर्ष में बदल गया. जनपद पंचायत कार्यालय के सामने शनिवार शाम करीब 7 बजे दोनों पक्षों में फिर विवाद हुआ था.

इसके बाद रात करीब 10 बजे ग्राम भुरेरू में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और धारदार हथियारों से हमला किए जाने की बात सामने आई है. घटना में दोनों पक्षों के करीब 10 लोग घायल हुए हैं ओर रविवार को दोनों पक्षों के 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. घायलों को उपचार

पुरानी रंजिश को बताया विवाद का कारण

पुलिस की स्पेशल रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने, जान से मारने की नीयत से हमला करने और धमकी देने के आरोप लगाए हैं. दोनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109(1), 191(1), 191(3), 296(बी), 115(2) और 351(3) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है. एसडीओपी सोनाली गुप्ता के अनुसार दोनों मामलों में आरोपियों को राउंडअप किया गया है. पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है तथा गांव में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है.

के लिए सिविल अस्पताल बेगमगंज लाया गया था. यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीररूप से 6 घायलों में चेतराम साहू पिता फूल सिंह साहू , सौरभ साहू पिता कोमल साहू , सुमित साहू पिता सेवकराम साहू ,भूपेंद्र साहू पिता रविशंकर साहू एवं यशवंत साहू व उसका भाई रविशंकर साहू पिता दामोदर साहू को बेहतर उपचार के लिए सागर रेफर किया गया, जबकि अन्य घायलों का उपचार बेगमगंज सिविल अस्पताल में किया जा रहा है. घटना की सूचना मिलते ही बेगमगंज एसडीओपी सोनाली गुप्ता , प्रभारी थाना प्रभारी संदीप पवार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे. गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है. पुलिस के अनुसार घटना को लेकर दोनों पक्षों की ओर से अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गई हैं.

इंद्रदेव ने किया भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

भोपाल, 10 अगस्त. श्रीबड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा श्रावण मास के दूसरे सोमवार एवं सोम प्रदोष के अवसर पर बाबा बटेश्वर को मां गौरा संग कैलाश पर्वत पर झूला झुलाया गया मंदिर समिति के संजय अग्रवाल एवं प्रमोद नेमा ने बताया प्रात: काल रुद्राभिषेक दर्शन आरती के बाद दोपहर में नर्मदापुरम से भोपाल आए सैकड़ो कावड़ियों द्वारा नर्मदा जल से बाबा बटेश्वर का अभिषेक किया गया. सांयकाल प्रदोष काल में पुन: रुद्राभिषेक कर गर्भ गृह को कैलाश पर्वत का स्वरूप देकर बाबा बटेश्वर को मां गौरा के साथ झूले में विराजित कर झूला झुलाया गया रात्रि 9 बजे महा आरती के बाद भजन संध्या हुई इस अवसर पर शिशिर मित्तल आकाश अग्रवाल मोनू राठौर अन्नू सोनी केशव फुलवानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे.

सबसे बड़ा धन होता है विद्या : पं . शास्त्री

टीचर कॉलोनी में शिव महापुराण कथा का तृतीय दिवस

नवभारत न्यूज

बेगमगंज, 10 अगस्त. साई मंदिर ग्राम टीचर कॉलोनी में चल रही शिव महापुराण कथा के तृतीय दिवस में पं.कमलेश कृष्ण शास्त्री तिन्सुआ वालों ने कहा सज्जनों, संसार में मनुष्य के पास बहुत-सी चीजें हो सकती हैं-धन हो सकता है, संपत्ति हो सकती है, सुंदर शरीर हो सकता है, ऊंचा पद हो सकता है; लेकिन इन सबमें सबसे बड़ा धन यदि कोई है, तो वह है विद्या, क्योंकि धन चोरी हो सकता है, संपत्ति छिन सकती है, पद आज है तो कल नहीं रहेगा, शरीर की सुंदरता भी समय के साथ समाप्त हो जाएगी; लेकिन विद्या ऐसा धन है जिसे न कोई चुरा सकता है, न कोई बांटने से कम कर सकता है.

उन्होंने कहा कि विद्या केवल पढ़ना-लिखना नहीं है. विद्या वह है जो मनुष्य को सही और गलत

का विवेक दे, जिसके पास विद्या है, लेकिन संस्कार नहीं हैं, वह विद्वान होकर भी अहंकारी हो सकता है. और जिसके पास विद्या के साथ विनम्रता है, वह समाज के लिए प्रकाश बन जाता है. इसलिए हमारे शास्त्रों ने कहा विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्. '

अर्थात् विद्या से विनम्रता आती है, विनम्रता से पात्रता आती है और पात्रता से जीवन में सफलता आती है. पं. शास्त्री ने कहा धनवान व्यक्ति के पास बहुत कुछ हो सकता है, लेकिन यदि विवेक नहीं है तो वह अपने धन का भी गलत उपयोग कर सकता है. लेकिन विद्वान व्यक्ति निर्धन होकर भी सम्मान पा सकता है. धन से वस्तुएँ खरीदी जा सकती हैं, विद्या से जीवन जीने की कला सीखी जाती है. धन आपको महल दे सकता है, लेकिन विद्या आपको बताएगी कि उस महल में सुख कैसे बनाए रखना है. धन आपको भोजन दे सकता है, लेकिन विद्या आपको सिखाती है कि किसके साथ बैठकर भोजन करना चाहिए. धन आपको शक्ति दे सकता है, लेकिन विद्या सिखाती है कि उस शक्ति का उपयोग कहाँ करना है.

नालों की सफाई नहीं, घरों में घुसा बारिश का पानी

नवभारत न्यूज

सलामतपुर, 10 अगस्त. मूसलाधार बारिश ने नगर परिषद की जल निकासी व्यवस्था के तमाम दावों की पोल खोलकर रख दी है. जलभराव के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है. सबसे बुरा हाल कब्रिस्तान के सामने स्थित बाजार का है, जहां कई दुकानों और घरों में कमर तक पानी भर गया. रहवासी रात भर परेशान होते रहे.

वहीं सुबह जब व्यापारी अपनी दुकानें खोलने पहुंचे, तो अंदर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए. बर्तन और किराना दुकानों में पानी भर जाने से सारा

सामान जलमग्न हो चुका था. इस जलभराव से दुकानदारों और रातातलाई के रहवासियों का भारी नुकसान हुआ है.

सेवा भारती ने 62 मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

प्रतिभाओं का सम्मान, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प : सोलंकी

नवभारत न्यूज

भोपाल, 10 अगस्त. सेवा भारती मध्यभारत, भोपाल विभाग द्वारा कैरियर कॉलेज में मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह आयोजित किया गया. कार्यक्रम का मुख्य अतिथि प्रो. गौरव तिवारी, कुलपति, मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अध्यक्ष मितेश राठी, संचालक राठी कोचिंग क्लासेस तथा विशिष्ट अतिथि दुष्यंत शुक्ला, प्रदेश अध्यक्ष, शासकीय ठेकेदार महासंघ और सुरेंद्र सिंह सोलंकी, संगठन मंत्री सेवा भारती मध्यभारत प्रांत एवं शिवमंगल सिंह महानगर अध्यक्ष द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया. समारोह में वर्ष 2025-26 की 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने

वाले 62 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र, स्मृति चिन्ह एवं आवश्यक दस्तावेज किट प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया. मुख्य वक्ता सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि विद्यार्थी देश की सबसे बड़ी शक्ति और भविष्य की नींव हैं. प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के साथ उनमें संस्कार, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करना भी आवश्यक है. सेवा भारती महानगर अध्यक्ष शिव मंगल सिंह ने कहा कि सम्मानित करने की यह पहल निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों को भी शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी.

> सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान उनकी उपलब्धि का गौरव बढ़ाने के साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर करने की प्रेरणा देता है. कार्यक्रम में करण सिंह कौशिक, रमेश गोतेले, कमलेश सिंह, सुनीता सूर्यवंशी उपस्थित रहे. संचालन डॉ. शैलेंद्र सिंह तथा आभार राजेश कुमार रमतानी ने व्यक्त किया.

श्रावण सोमवार पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

स्तूप चौराहे के शिव मंदिर में सुबह से लगी रही भक्तों की कतार.

नवभारत न्यूज

सांची, 10 अगस्त. श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर सांची नगरी शिवमय हो गई. भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही नगर के अधिकांश मंदिरों में भक्तों की खासी भीड़ देखने को मिली. हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे.

सावन के सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं में सुबह से ही खासा उत्साह था. 4 बजे से ही लोग स्नान कर सफेद वस्त्रों में मंदिरों की ओर निकल पड़े. स्तूप चौराहे पर स्थित प्रसिद्ध शिवमंदिर में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना का दौर देर शाम तक चलता रहा. भक्तों ने शिवलिंग पर दूध, दही, शहद, गंगाजल और बेलपत्र चढ़ाकर मनोकामनाएं मांगीं. कई जगहों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से शिव चालीसा और 'ऊं नम: शिवाय' का जाप भी किया.

स्थानीय प्रशासन ने मंदिरों के आसपास सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए थे. स्तूप चौराहे सहित अन्य शिवालयों में भक्तों को पंक्तिबद्ध करवाकर दर्शन करवाए गए. भक्तों का कहना है कि सांची की शांत और आध्यात्मिक भूमि पर श्रावण सोमवार की पूजा का अनुभव और भी मंगलकारी हो जाता है.

> **पंडितों के अनुसार श्रावण सोमवार को सुबह स्नान के बाद शिवलिंग का जलाभिषेक, बेलपत्र, धतूरा और सफेद फूल अर्पित करने का विधान है. दिनभर फलाहार व्रत रखकर शाम को दीप जलाकर पूजा करने से विशेष फल मिलता है. इस दिन क्रोध और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की सलाह भी दी जाती है.**

आयोजन रायसेन में पुलिस लाइन से निकाली तिरंगा यात्रा

देश की एकता, गौरव का प्रतीक है राष्ट्रीय ध्वज : प्रभारी मंत्री

नवभारत न्यूज

रायसेन, 10 अगस्त. रायसेन नगर में सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा पुलिस लाइन से तिरंगा यात्रा निकाली गई.

इसमें प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी,

भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, एसपी आशुतोष गुप्ता सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए. पुलिस लाइन से प्रारंभ हुई यह तिरंगा यात्रा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए महामाया चौक पर समाप्त हुई. महामाया चौक पर तिरंगा यात्रा के समापन अवसर पर प्रभारी मंत्री पंवार ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा तिरंगा भारत की आन, बान और शान है. यह देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और गौरव का प्रतीक है. तिरंगे में देश के करोड़ों नागरिकों की भावनाएं जुड़ी हैं. हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष और वीर जवानों का बलिदान भी तिरंगे से जुड़ा हुआ है. उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं और अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों पर तिरंगा पूरे सम्मान और गरिमा के साथ फहराएं. राष्ट्रीय ध्वज की मर्यादा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है. उन्होंने सभी से राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखने, तिरंगे की गरिमा की रक्षा करने तथा देश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया. उल्लेखनीय है कि हर घर तिरंगा अभियान 09 अगस्त से प्रारंभ होकर 17 अगस्त तक चलेगा. अभियान के तहत जिले भर में तिरंगा यात्राएं, बाईक रैली, मानव श्रृंखला तथा देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

55 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवभारत न्यूज सलामतपुर, 10 अगस्त. थाना क्षेत्र के दीवानगंज अंतर्गत ईदगाह के पीछे स्थित एक मकान में 55 वर्षीय कालूराम (पिता परमानंद) द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रायसेन भेज दिया. घटना के संबंध में मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक कालूराम की मानसिक स्थिति पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी. परिजनों ने पुलिस को बताया कि बीती रात कालूराम का अपनी पत्नी के साथ किसी बात पर विवाद हुआ था, जिसके बाद उनके बीच मारपीट भी हुई. इस विवाद से व्यथित होकर पत्नी दूसरे घर चली गई थी.